कक्षा 12वीं c
विषय -: हिंदी
दिनांक -: 28 /4/20
लिखो और याद करो

हल प्रश्न

कविता के साथ

1. *'सबसे तेज़ बौछारें गयीं, भादो गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में करें।* [CBSE (Delhi) 2009 & Outside]

अथवा

सबसे तेज बौछारों के साथ भादों के बीत जाने के बाद प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण 'पतंग' कविता के आधार पर अपने शब्दों में कीजिए। [CBSE (Delhi) 2015, Set-III]

उत्तर इस कविता में, कवि ने प्राकृतिक वातावरण का सुंदर वर्णन किया है। भादों माह में तेज वर्षा होती है। इसमें बौछारें पड़ती हैं। बौछारों के समाप्त होने पर शरद का समय आता है। मौसम खुल जाता है। प्रकृति में निम्नलिखित परिवर्तन दिखाई देते हैं—

(i) सवेरे का सूरज खरगोश की आँखों जैसा लाल-लाल दिखाई देता है।

(ii) शरद ऋतु के आगमन से उमस समाप्त हो जाती है। ऐसा लगता है कि शरद अपनी साइकिल को तेज़ गति से चलाता हुआ आ रहा है।

(iii) वातावरण साफ व धुला हुआ-सा लगता है।

(iv) धूप चमकीली होती है।

(v) फूलों पर तितलियाँ मँडराती दिखाई देती हैं।

2. *सोचकर बताएँ कि पतंग के लिए **सबसे हलकी और रंगीन चीज़, सबसे पतला कागज़, सबसे पतली कमानी** जैसे विशेषणों का प्रयोग क्यों किया गया है?*

उत्तर कवि ने पतंग के लिए सबसे हलकी और रंगीन चीज़, सबसे पतला कागज़, सबसे पतली कमानी जैसे विशेषणों का प्रयोग किया है। वह इसके माध्यम से पतंग की विशेषता तथा बाल सुलभ चेष्टाओं को बताना चाहता है। बच्चे भी हलके होते हैं, उनकी कल्पनाएँ रंगीन होती हैं। वे अत्यंत कोमल व निश्छल मन के होते हैं। इसी तरह पतंगें भी रंग-बिरंगी, हल्की होती हैं। वे आकाश में दूर तक जाती हैं। इन विशेषणों के प्रयोग से कवि पाठकों का ध्यान आकर्षित करना चाहता है।

3. *बिंब स्पष्ट करें–*

सबसे तेज़ बौछारें गयीं भादो गया,
सवेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए
घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए और
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके।

उत्तर इस अंश में कवि ने स्थिर व गतिशील आदि दृश्य बिंबों को उकेरा है। इन्हें हम इस तरह से बता सकते हैं—

- तेज़ बौछारें—गतिशील दृश्य बिंब।
- सवेरा हुआ—स्थिर दृश्य बिंब।
- खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा—स्थिर दृश्य बिंब।

- पुलों को पार करते हुए—गतिशील दृश्य बिंब।
- अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए—गतिशील दृश्य बिंब।
- घंटी बजाते हुए जोर-जोर से—श्रव्य बिंब।
- चमकीले इशारों से बुलाते हुए—गतिशील दृश्य बिंब।
- आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए—स्पर्श दृश्य बिंब।
- पतंग ऊपर उठ सके—गतिशील दृश्य बिंब।

4. ***जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास***–*कपास के बारे में सोचें कि कपास से बच्चों का क्या संबंध बन सकता है?*

उत्तर कपास व बच्चों के मध्य गहरा संबंध है। कपास हलकी, मुलायम, गद्देदार व चोट सहने में सक्षम होती है। कपास की प्रकृति भी निर्मल व निश्छल होती है। इसी तरह बच्चे भी कोमल व निश्छल स्वभाव के होते हैं। उनमें चोट सहने की क्षमता भी होती है। उनका शरीर भी हलका व मुलायम होता है। कपास बच्चों की कोमल भावनाओं व उनकी मासूमियत का प्रतीक है।